**भारत सरकार**

**पोत परिवहन मंत्रालय**

**राज्यर सभा**

अतारांकित प्रश्ना सं. **135** जिसका उत्तदर

सोमवार, 30 नवंबर, 2015/9 अग्रहायण, 1937 (शक) को दिया जाना है

**इलाहाबाद-हल्दि0या गंगा जलमार्ग परियोजना**

**135. श्री मोती लाल वोरा :**

क्याा **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्याह यह सच है कि सरकार कोयला आधारित ताप विद्युत परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति करने के लिए इलाहाबाद-हल्दि या गंगा जल मार्ग परियोजना पर काम कर रही है

(ख) क्याइ सरकार को इस परियोजना के कारण उत्पनन्नर होने वाली समस्याषओं के संबंध में कुछ अर्थशास्त्रि□यों और पर्यावरणविदों के सुझाव प्राप्तज हुए हैं

(ग) यदि हां, तो सरकार की उन पर क्याप प्रतिक्रिया है और

(घ) सरकार का , इलाहाबाद-हल्दिाया गंगा जलमार्ग परियोजना को कब तक प्रारंभ करने का लक्ष्यक है?

**उत्तघर**

**पोत परिवहन राज्यरमंत्री**

**(श्री पोन्. राधाकृष्णलन्)**

**(क) :** माननीय केन्द्रीय वित्त् मंत्री ने दिनांक 10.07.2014 को दिए वर्ष 2014-15 के अपने बजट अभिभाषण में एक घोषणा की थी कि इलाहाबाद तथा हल्दिया के बीच 1620 किमी की दूरी को शामिल करते हुए गंगा नदी पर "जल मार्ग विकास" (राष्ट्री□य जलमार्ग-।) नामक एक परियोजना का विकास किया जाएगा , जो कम से कम 1500 टन के जलयानों के वाणिज्यिक नौवहन को संभव बनाएगा और यह कि यह परियोजना 4200 करोड़ रू की लागत पर छ: वर्षों के समय में पूरी कर ली जाएगी । इस परियोजना का उद्देश्यल एक पर्यावरण हितैशी, कम ईंधन की खपत वाले और सस्तेर परिवहन का एक वैकल्पिक साधन, ख़ासतौर पर बल्की सामान, ख़तरनाक सामान, कैप्टिव कार्गो तथा ओवर डायमैन्श नल कार्गो के लिए उपलब्ध करवाना है ।

**(ख) और (ग) :** जी, हाँ । सरकार ने इस पूरी परियोजना तथा इसके प्रभावों पर और अधिक स्पथष्टवता हासिल करने के लिए अपेक्षित हस्तकक्षेपों का आकलन करने की दृष्टि से तीन विशेषज्ञ अध्यायन प्रारंभ करवाए हैं । यह अध्यपयन हैं () रा.ज.-1 पर विस्तृयत व्यावहार्यता अध्यनयन तथा इसके सहायक कार्यों के लिए विस्तृहत अभियांत्रिकी; (ii) पर्यावरणीय तथा सामाजिक प्रभाव आकलन (ई एस आई ए) , पर्यावरणीय अल्पीकरण योजना (ई एम पी) तथा पुनर्वास कार्य योजना (आर ए पी) ; तथा (iii) अंतर्देशीय जल परिवहन क्षेत्र विकास रणनीति तथा बाज़ार विकास अध्यकयन । इसके अलावा भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण , जो कि इस परियोजना का कार्यान्वनयन अभिकरण है , ने कोलकाता , वाराणसी, पटना , दिल्ली तथा फरक्काक में भागीदारों के साथ व्या पक बैठकें की हैं जिनमें पर्यावरणविदों, उद्योग, शैक्षणिकों तथा बृहत् समाज से अमूल्यद प्रतिक्रियाएँ प्राप्तठ हुईं ।

**(घ) :** उपर्युक्तस परियोजना में टर्मिनलों , जेटियों का निर्माण , नदी प्रशिक्षण तथा संरक्षण कार्य , आधुनिक स्वदचालित सूचना प्रणालियाँ , नौचालनात्मंक सहायक सुविधाएँ आदि शामिल हैं । परियोजनाओं का निर्माण मार्च , 2016 से प्रारंभ हो जाना प्रत्याशित है तथा प्रारंभ किए जाने वाली अंतिम परियोजनाएँ पाँच वर्षों तक का समय ले सकती हैं ।

*****